# ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 23-12-2022**

**नैनीताल(उत्तराखंड ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-12-23 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2022-12-24 | 2022-12-25 | 2022-12-26 | 2022-12-27 | 2022-12-28 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 14.0 | 13.0 | 12.0 | 12.0 | 13.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 3.0 | 4.0 | 5.0 | 4.0 | 4.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 50 | 55 | 60 | 60 | 65 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 35 | 35 | 35 | 35 | 35 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 6.0 | 6.0 | 6.0 | 6.0 | 6.0 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 320 | 320 | 330 | 310 | 310 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 0 | 1 | 4 | 1 | 0 |

## मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमशः 12.0-14.0 व 3.0-5.0 से डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0 किमी/घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 28 दिसम्बर से 3 जनवरी के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से कम, अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान हैं।

## सामान्य सलाहकार:

आईएमडी मौसम पूर्वानुमान और आपके स्थान की कृषि मौसम संबंधी सलाह अब मेघदूत मोबाइल ऐप पर अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है। कृपया निम्न लिंक से डाउनलोड करें: एंड्रॉ यड: https://play.google.com/store/apps/details?id=com.aas.meghdoot आईओएस: https://apps.apple.com/in/app/meghdoot/id1474048155 दलहनी फसलों में खरपतवार नियंत्रण हेतु अगर मजदूर उपलब्ध हों तो पहली निराई, बुवाई के 20-25 दिन बाद और दूसरी 35-40 दिन बाद करें।

## लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। पाला/कोहरा पड़ने की स्थिति में समय-समय पर सिंचाई करें।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गेहूँ | असिंचित दशा में बोयी गयी फसल में आवश्यकतानुसार निराई कर खरपतवार निकाल लें तथा सिंचित फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु संस्तुत खरपतवारनाशी रसायन का प्रयोग करें। चैड़ी पत्ती वाले खरपतवार की अधिकता होने पर 2,4 डी को 500 ग्राम/है या मेटसल्फ्यूरॉन मिथाइल की 4.0 ग्राम/ है0 को नवम्बर माह में बुवाई करने पर 30-35 दिन में तथा सकरी पत्ती वाले खरपतवार की अधिकता होने पर आइसोप्रोट्यूरॉन 1 किग्रा/है0 की दर से बुवाई के 30-35 दिन में प्रयोग करें। |
| सरसों | घाटियों एवं निचले पर्वतीय क्षेत्रों में समय पर बोयी गई फसल में दाना भरते समय हल्की सिंचाई करें। सरसों में पत्ती धब्बा रोग के नियत्रंण हेतु मैन्कोजेब का 2.5 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे। |
| जौ | फसल में आवश्यकतानुसार निराई कर खरपतवार निकाल लें। सिंचित फसल में बुवाई के 20-25 दिन पर सिंचाई कर नत्रजन की संतुत मात्रा में टॉप ड्रेसिंग करें। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गोभी | फूलगोभी व बंदगोभी जैसी बीजू फसलों में निराई-गुड़ाई कर आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। |
| पालक | सिंचित घाटी क्षेत्रों में मेथी, पालक तथा हरे पत्ते एवं मसाले के लिए धनियां की फसल में सिंचाई कर समय-समय पर गुड़ाई करे। |
| सेम की फली | सिंचित घाटी क्षेत्रो में यदि सब्जी फ्रासबीन की बुवाई दो माह पूर्व की गई हो तो तैयार फलियो की तुड़ाई करें। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| भेंस | ठंड में पशुओं के आहार में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। अधिक ठंड की स्थिति में पशुओं को अजवाइन और गुड़ दें। पशुओं को धान की कन्नी आहार के रूप में दें। जिससें उन्हें उर्जा और गर्मी मिलती है। पशुओं को ठंड से बचाव हेतु सूखी घास, पुवाल जो जानवरों के खाने के उपयोग में नहीं आती को बिछावन के रूप में प्रयोग करें। खिड़की दरवाजों पर त्रिपाल लगा दें ताकि ठंडी हवा प्रवेश न करें। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण करवाना चाहिए। |